व्यापार की योजना

पर

आय सृजन गतिविधि
बैग बनाना

द्वारा

स्वयं सहायता समूह – माँ दुर्गा

एसएचजी/सीआईजी नाम	माँ दुर्गा
वीएफडीएस नाम	जनवान
रेंज	उरला
मंडल	जोगिंदर नगर

के तहत तैयार-

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना (जेआईसीए सहायता प्राप्त)

स्वयं सहायता समूह का नाम: माँ दुर्गा **वीएफडीएस:**जनवान रैंज: उरला वन मंडल: जोगिंदर नगर।

विषय-सूची

क्र.सं.	विवरण	पृष्ठ क्रमांक.
1.	परिचय	3
2.	एसएचजी/सीआईजी का विवरण	4
3.	लाभार्थियों का विवरण	5
4.	गांव का भौगोलिक विवरण	6
5.	बाजार की संभावनाएं-	6
6.	कार्यकारी सारांश-	7
7.	आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण-	7
8.	उत्पादन प्रक्रियाओं का विवरण-	7
9.	उत्पादन योजना का विवरण-	8
10.	सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण	8
11।	स्वोट अनालिसिस	8-9
12.	अर्थशास्त्र का विवरण	9-11
13.	लागत लाभ विश्लेषण (मासिक)	11
14.	स्वयं सहायता समूह में निधि प्रवाह व्यवस्था	12
15.	निधि के स्रोत	12
16.	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	13
17.	ब्रेक-ईवन बिंदु की गणना	13
18.	किनाराकर्ज का भुगतान	13
19.	निगरानीतरीका	13
20.	टिप्पणी	13
21.	समूह सदस्य की तस्वीरें	14
22.	समूह फोटो	14
23.	संकल्प-सह-समूह सर्वसम्मति प्रपत्र	15
24.	वीएफडीएस और डीएमयू द्वारा व्यावसायिक अनुमोदन	16

1. परिचय-

बैग बनाना आय सृजन गतिविधि है जिसे माँ दुर्गा एसएचजी द्वारा तय किया गया है जो रेंज उरला और डिवीजन जोगिंदर नगर के वीएफडीएस जनवान के अंतर्गत आता है। बैग विभिन्न प्रकार के होते हैं जैसे स्कूल बैग, ट्रैवल बैग, कैरी बैग, स्लिंग बैग, लैपटॉप बैग और कई अन्य। ये सभी बैग अलग-अलग सामग्री से सिलाई करके बनाए जाते हैं। बैग की मांग पूरे साल रहती है और इसका उपयोग सभी आयु वर्ग के लोग करते हैं।

इसका एक समूहहिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका सुधार परियोजना के तहत 8 सितंबर 2021 को विभिन्न आयु वर्ग की 11 महिलाएं एक स्वयं सहायता समूह बनाने के लिए एक साथ आईं और एक व्यवसाय योजना तैयार करने का फैसला किया, जो उन्हें सामूहिक रूप से बैग बनाने को अपना आईजीए बनाने और अपनी अतिरिक्त आय बढ़ाने में मदद कर सके।

इस IGA (आय सृजन गतिविधि) में शामिल होने से पहले बाजार की संभावनाओं और विभिन्न पहलुओं पर बहुत सावधानी से चर्चा करने के बाद। माँ दुर्गा SHG समूह ने सामूहिक रूप से बैग बनाने को अपनी आय सृजन गतिविधि (IGA) के रूप में तय किया है। इस SHG में 11 महिलाएँ हैं। परियोजना से सहायता प्राप्त करने के बाद समूह अच्छी गुणवत्ता वाले बैग बनाना शुरू कर देगा। परियोजना उन्हें इस कौशल को विकसित करने और पेशेवर बनने के लिए आवश्यक धन, प्रशिक्षण और सहायता प्रदान करके उनका समर्थन करेगी। वे विभिन्न प्रकार के बैग बनाने में सक्षम होंगे और आत्मनिर्भर बनेंगे और आय उत्पन्न करेंगे। इस SHG की विस्तृत व्यावसायिक योजना इसकी निवेश क्षमता, विपणन और प्रचार रणनीति के अनुसार तैयार की गई है और विस्तृत कार्य योजना पर यहाँ चर्चा की जाएगी:

2. एसएचजी/सीआईजी का विवरण

1.	एसएचजी/सीआईजी नाम	माँ दुर्गा
2.	वीएफडीएस	जनवान
3.	रेंज	उरला
4.	वन मंडल	जोगिंदर नगर
5.	गाँव	जनवान
6.	ब्लॉक ऑफिस	पधर
7.	ज़िला	मंडी
8.	एसएचजी में सदस्यों की कुल संख्या	11
9.	गठन की तिथि	08-09-2021
10.	बैंक खाता संख्या एवं आईएफएससी कोड	40417925663 और एसबीआईएन0008843
11।	बैंक विवरण	एसबीआई गुम्मा
12.	एसएचजी/सीआईजी मासिक बचत	1100 (प्रति व्यक्ति 100)
13.	कुल बचत	6000
14.	कुल अंतर ऋण	--
15.	नकद क्रेडिट सीमा	-
16.	पुनर्भुगतान स्थिति	-

3. लाभार्थियों का विवरण

क्र.सं.	नाम	एम/एफ	पिता/ पति का नाम	वर्ग	पद का नाम	संपर्क नंबर।
1	चंद्र कली	एफ	हेम सिंह	सामान्य	अध्यक्ष	98579-23393
2	राज कुमारी	एफ	.भगत राम	सामान्य	सचिव	70182-05545
3	ललिता देवी	एफ	श्री चिंत राम	सामान्य	सदस्य	70180-57562
4	शुक्री देवी	एफ	राम सिंह	सामान्य	सदस्य	9857465331
5	मनशा देवी	एफ	रमेश कुमार	अनुसूचित जनजाति	सदस्य	9857465331
6	चम्पा देवी	एफ	उदी चंद	अनुसूचित जनजाति	सदस्य	78765-67161
7	नारदा देवी	एफ	साजू राम	अनुसूचित जनजाति	सदस्य	7018244703
8	निशा देवी	एफ	दलीप सिंह	अनुसूचित जनजाति	सदस्य	82196-37645
9	रीना देवी	एफ	सोहन सिंह	अनुसूचित जनजाति	सदस्य	70189-76152
10	माया देवी	एफ	प्रताप चंद	अनुसूचित जनजाति	सदस्य	86794-37040
11	कमला देवी	एफ	ज्योति राम	सामान्य बीपीएल	सदस्य	62301-32684

4. गांव का भौगोलिक विवरण

1	जिला मुख्यालय से दूरी	35 किमी
2	मुख्य सड़क से दूरी	4 किमी
3	स्थानीय बाजार का नाम एवं दूरी	4 किमी
4	मुख्य बाजार का नाम एवं दूरी	पधर 4 किमी
5	मुख्य शहरों के नाम एवं दूरी	मंडी 35 किलोमीटर, जोगिंदर नगर 37 किलोमीटर
6	मुख्य शहरों का नाम जहां उत्पाद बेचा/विपणन किया जाएगा	पधर

5. बाजार की संभावनाएं-

बैग बनाने का हुनर सीखने के बाद, यह माँ दुर्गा SHG अपने क्षेत्र और आस-पास के गाँवों की स्थानीय आबादी को लक्षित करेगा। फैशन में तेज़ी से हो रहे बदलाव के साथ बाज़ार में बहुत संभावनाएँ हैं, नवीनतम डिज़ाइन वाले बैग की माँग पूरे साल रहेगी।

1	संभावित बाज़ार स्थान/स्थान	कवर किया गया गांव - जनवान
2	उत्पाद की मांग	पूरे वर्ष भर तथा मार्च में जब स्कूल पुनः खुलते हैं तो मांग अधिक रहती है।
3	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	समूह के सदस्य आस-पास के ग्रामीणों/परिवारों/संस्थाओं से संपर्क करेंगे।
4	विपणन रणनीति	स्वयं सहायता समूह के सदस्य सीधे तौर पर आस-पास के ग्रामीणों/परिवारों/दुकानदारों/संस्थाओं से ऑर्डर लेंगे (समूह स्तर पर)।
5	उत्पाद ब्रांडिंग	माँ दुर्गा बैग
6	उत्पाद "नारा"	"माँ दुर्गा बैग गुणवत्ता में सर्वश्रेष्ठ"

6. कार्यकारी सारांश-

इस स्वयं सहायता समूह द्वारा बैग बनाने की आय सृजन गतिविधि का चयन किया गया है। यह IGA इस SHG की सभी महिलाओं द्वारा किया जाएगा। यह व्यवसायिक गतिविधि समूह के सदस्यों द्वारा वार्षिक रूप से की जाएगी।आस-पास के बाज़ार में स्कूल बैग, हैंडबैग, ट्रैवल बैग और कैरी बैग की अच्छी खासी मांग है। कई बैठकों के बाद, समूह ने आखिरकार यह तय किया है कि आस-पास के बाज़ारों में बैग की मांग को ध्यान में रखते हुए यह गतिविधि निस्संदेह समूह के लिए नकदी पैदा करने का एक ज़रिया होगी।सदस्यों के बीच श्रम विभाजन की योजना सावधानीपूर्वक बनाई गई है, ताकि प्रत्येक सदस्य आईजीए को मजबूत करने में योगदान दे सके और परिणामस्वरूप अतिरिक्त धन उनकी जेब में आ सके।

7. आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण-

1	उत्पाद का नाम	स्कूल बैग, हैंडबैग, यात्रा बैग और कैरी बैग
2	उत्पाद पहचान की विधि	समूह के सदस्यों द्वारा अनेक बैठकों के बाद निर्णय लिया गया है।
3	एसएचजी/सीआईजी/क्लस्टर सदस्यों की सहमति	हाँ

8. उत्पादन प्रक्रियाओं का विवरण-

- समूह में कुल सदस्यों की संख्या 11 है। समूह के सभी सदस्य प्रतिदिन केवल 4 घंटे काम करेंगे क्योंकि उनके पास अन्य कृषि और घरेलू काम हैं। वे प्रति सप्ताह 5 दिन काम करेंगे। इसलिए, हम कह सकते हैं कि समूह का प्रत्येक सदस्य मासिक 88 घंटे काम करेगा।
- शुरुआत में समूह प्रतिदिन 15 बैग बनाएगा, बाद में अनुभव के साथ इसकी संख्या बढ़ाई जा सकेगी। एक महीने में समूह लगभग 450 बैग बनाएगा।
- धारणा/अनुभव के आधार पर प्रत्येक बैग का निर्माण मैटी कपड़ा, जीप, ताले, स्टिकर, वायर कवरिंग, निवार आदि सामग्री का उपयोग करके किया जाएगा। इसकी लागत बैग के प्रकार, बैग के आकार पर निर्भर करेगी। हम कच्चे माल का उपयोग करने की कीमत की सीमा 100 रुपये से 300 रुपये के बीच मान सकते हैं।
- एक महीने में 1 सदस्य के कुल कार्य घंटे (एक महीने में कुल कार्य दिवस 22 होंगे और प्रतिदिन 4 घंटे) 88 घंटे (22 दिन*4 घंटे) होंगे और सभी 11 सदस्यों के लिए एक महीने में कार्य घंटे 968 घंटे (22 दिन) होंगे। पूरे समूह के लिए एक महीने में कुल श्रम दिवस 121 दिन (968/8) होंगे। श्रम लागत 36,300 रुपये (121*300) होगी। 1 बैग बनाने में श्रम लागत 80 रुपये होगी।

9. उत्पादन योजना का विवरण-

1	प्रति चक्र उत्पादन (माह)	1 महीना = 465 बैग
2	शामिल महिलाओं की संख्या	सभी महिलाएं

3	कच्चे माल का स्रोत	स्थानीय बाजार/मुख्य बाजार
4	अन्य संसाधनों का स्रोत	स्थानीय बाजार/मुख्य बाजार
5	प्रतिदिन अपेक्षित बैग उत्पादन	प्रतिदिन 15 बैग

10. सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

आपसी सहमति से स्वयं सहायता समूह के सदस्य कार्य को पूरा करने के लिए अपनी भूमिका और जिम्मेदारी तय करेंगे। सदस्यों के बीच उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमता के अनुसार कार्य का बंटवारा किया जाएगा।

- कुछ समूह सदस्य पूर्व-उत्पादन प्रक्रिया (अर्थात कच्चे माल की खरीद) में शामिल होंगे
- कुछ समूह सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे।
- समूह के कुछ सदस्य पैकेजिंग और विपणन में शामिल होंगे।

11.स्वोट अनालिसिस -

- ताकत-
  - कच्चा माल आसानी से उपलब्ध है।
  - विनिर्माण प्रक्रिया सरल है.
  - उचित पैकिंग और परिवहन में आसान।
  - उत्पाद का शेल्फ जीवन लंबा है।
  - उत्पाद अविनाशी है।

- कमजोरी-
  - कच्चे माल पर निवेश करने तथा उत्पाद की बिक्री की प्रतीक्षा करने के लिए समूह के पास आरक्षित निधि की कमी।
  - व्यवसाय की सफलता के संबंध में समूह के सदस्यों में आत्मविश्वास की कमी।
  - वर्तमान में स्थानीय व्यापारियों द्वारा आयात किए जा रहे फैक्ट्री निर्मित बैगों के साथ उच्च प्रतिस्पर्धा

- अवसर-
  - इसमें लाभ के अच्छे अवसर हैं क्योंकि उत्पाद की लागत अन्य समान श्रेणी के उत्पादों की तुलना में कम है।
  - बड़े पैमाने पर उत्पादन के साथ विस्तार की संभावनाएं हैं।
  - वर्ष भर मांग बनी रहती है।

- खतरे/जोखिम-
  - समूह के सदस्यों में संघर्ष का खतरा।
  - कच्चे माल की कीमत में अचानक वृद्धि।
  - प्रतिस्पर्धी बाजार.

12. अर्थशास्त्र का विवरण -

ए. पूंजीगत लागत				
क्र. सं.	विवरण	मात्रा	यूनिट मूल्य	राशि (रु.)
1	मोटर और स्टैंड के साथ बैग बनाने की मशीन	6	9500	57000
2	स्टैंड के साथ बैग बनाने की मशीन	5	8000	40000
3	लकड़ी का काउंटर टेबल	1	5000	5000
4	चटाई	2 (8×10)	3000	6000
5	स्टील रैक	2	4000	8000
6	टूल किट	11	1000	11000
7	कुर्सियां और स्टूल	11	800	8800
कुल पूंजी लागत (ए) = 1,35,800 रुपये				

बी. आवर्ती लागत					
क्र. सं.	विवरण	इकाई	मात्रा	यूनिट मूल्य	कुल राशि (रु.)
1	मेट्टी कपड़ा	मीटर	120 मीटर	120	14400
2	पैराशूट कपड़ा कपड़ा	मीटर	80 मीटर	80	6400
3	जूट कपड़ा	मीटर	80 मीटर	100	8000
4	बैग स्टिकर		900	3	2700
5	कुंडे/ताला/बटन	किलोग्राम	1/2	900	450
6	हॉल किराया, और स्टेशनरी खर्च	महीना	1	2000	2000
7	फोम और प्लेन मुद्रित अस्तर कपड़ा	मीटर.	100	110	11000
8	धागा रील 6,8,10	नग	80	60	4800
9	मशीन सुई 21, 23 नग	-	70	10	700
10	धावक 5 और 8 नं	दर्जन	40	45	1800
11	तानी बैग	किलोग्राम	300	8	2400
12	तानी बैग	किलोग्राम	300	6	1800
13	चैन 5 नं.	मीटर	150	6	900
14	चैन 8 नं.	मीटर	150	10	1500
15	श्रम (प्रतिदिन 4 घंटे और प्रति सप्ताह 5 दिन अर्थात प्रत्येक सदस्य के लिए प्रति माह कुल कार्य दिवस 22 दिन होंगे और 11 सदस्यों के लिए एक महीने में कुल कार्य घंटे 968 घंटे होंगे (22*11*4)	काम कर दिन	121	300	36,300
कुल आवर्ती लागत (बी) = 95150					

टिप्पणी- समूह स्वयं श्रम कार्य करेगा।

अतः शुद्ध आवर्ती लागत = कुल आवर्ती लागत - श्रम लागत

=95150-36300

शुद्ध आवर्ती लागत = 58850

सी. उत्पादन लागत (मासिक)		
क्र. सं.	विवरण	मात्रा
1	कुल आवर्ती लागत	95150
2	पूंजीगत लागत पर 10% वार्षिक मूल्यह्रास	13580
कुल = 108730		

डी. विक्रय मूल्य गणना			
क्र. सं.	विवरण	इकाई	मात्रा
1	उत्पादन की लागत	1	लगभग (रु. 20, 60, 100, 130, 400)
2	अपेक्षित विक्रय मूल्य	1	लगभग (रु. 40, 80, 120, 300, 400)
3	वर्तमान बाजार मूल्य	1	रु. 100, 150 250, 400, 500

13.लागत लाभ विश्लेषण (मासिक)

लागत लाभ विश्लेषण (मासिक)		
क्र. सं.	विवरण	मात्रा
1	पूंजीगत लागत पर 10% वार्षिक मूल्यह्रास	13580
2	कुल आवर्ती लागत	95150
3	प्रति माह बैग का कुल उत्पादन	465 (अनुमानित मात्रा)
4	प्रति बैग विक्रय मूल्य	350
5	आय पीढ़ी	162750
6	शुद्ध लाभ (आय सृजन - आवर्ती लागत)	162750-95150= 67600
7	सकल लाभ (शुद्ध लाभ - श्रम लागत)	67600 -36,300= 31300
8	शुद्ध लाभ का वितरण	✓ लाभ को मासिक/वार्षिक आधार पर सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा। ✓ लाभ का उपयोग आईजीए में आगे निवेश के लिए किया जाएगा

14. स्वयं सहायता समूह में निधि प्रवाह व्यवस्था -

क्र. सं.	विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना योगदान	एसएचजी योगदान
1	कुल पूंजी लागत	1,35,800	101850	33950
2	कुल आवर्ती लागत	95150	0	95150
3	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन।	50,000	50,000	0
कुल		**280950**	**151850**	**129100**

टिप्पणी:

i) पूंजीगत लागत- 75% पूंजीगत लागत परियोजना द्वारा तथा 25% स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी।

ii) आवर्ती लागत - स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी।

iii) प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन का खर्च परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा।

15. निधि के स्रोत -

परियोजना समर्थन	✧ यदि सदस्य अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/गरीब महिला वर्ग से हैं तो परियोजना द्वारा पूंजी लागत का 75% वहन किया जाएगा। यदि सदस्य सामान्य वर्ग से हैं तो परियोजना द्वारा पूंजी लागत का 50% वहन किया जाएगा। ✧ स्वयं सहायता समूह के बैंक खाते में 1 लाख रुपए तक की धनराशि जमा की जाएगी। ✧ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत। ✧ 5% ब्याज दर की सब्सिडी सीधे डीएमयू द्वारा बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा की जाएगी और यह सुविधा केवल तीन वर्षों के लिए होगी। स्वयं सहायता समूहों को नियमित आधार पर मूलधन की किश्तों का भुगतान करना होगा।	खरीद मशीनों/उपकरणों का आवंटन सभी कोडल औपचारिकताओं का पालन करने के बाद संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा किया जाएगा।
एसएचजी योगदान	✧ सामान्य श्रेणी और अन्य श्रेणियों के लिए पूंजीगत लागत का 50% या 25% क्रमशः स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन किया जाएगा। ✧ यदि समूह महिला समूह है तो पूंजीगत लागत का 25% परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा। ✧ आवर्ती लागत स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी।	

16. प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन -

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।

निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- ✧ कच्चे माल की लागत प्रभावी खरीद
- ✧ गुणवत्ता नियंत्रण
- ✧ पैकेजिंग और विपणन
- ✧ वित्तीय प्रबंधन

17. ब्रेक-ईवन बिंदु की गणना -

= पूंजीगत व्यय/ (विक्रय मूल्य (प्रति बैग)-उत्पादन लागत (प्रति बैग))

=1,35,800/(350-130)

=618

इस प्रक्रिया में 618 बैग बनाने के बाद ब्रेक-ईवन हासिल किया जाएगा।

18. बैंक ऋण चुकौती-

यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए कोई पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; तथापि, सदस्यों से मासिक बचत और पुनर्भुगतान रसीद सीसीएल के माध्यम से प्राप्त की जानी चाहिए।

- ✧ सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूल ऋण का भुगतान वर्ष में एक बार बैंकों को किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।
- ✧ सावधि ऋणों में, पुनर्भुगतान बैंकों में निर्धारित पुनर्भुगतान अनुसूची के अनुसार किया जाना चाहिए।
- ✧ परियोजना सहायता - 5% ब्याज दर की सब्सिडी सीधे डीएमयू द्वारा बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा की जाएगी तथा यह सुविधा केवल तीन वर्षों के लिए होगी। एसएचजी/सीआईजी को नियमित आधार पर मूलधन की किश्तों का भुगतान करना होगा।

19.निगरानी विधि-

- ❖ वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और निष्पादन की निगरानी करेगी तथा प्रक्षेपण के अनुसार इकाई का संचालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक होने पर सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।
- ❖ स्वयं सहायता समूह को प्रत्येक सदस्य की आईजीए की प्रगति और निष्पादन की समीक्षा करनी चाहिए तथा प्रक्षेपण के अनुसार इकाई का संचालन सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

निगरानी के लिए कुछ प्रमुख संकेतक इस प्रकार हैं:

- ✧ समूह का आकार
- ✧ निधि प्रबंधन
- ✧ निवेश
- ✧ आय पीढ़ी
- ✧ उत्पाद की गुणवत्ता

20.टिप्पणी

सदस्य निम्न आय वर्ग के हैं और वे 25% योगदान कर सकते हैं और परियोजना को इसका खर्च वहन करना होगा शेष 75%.

21. समूह सदस्य की व्यक्तिगत तस्वीरें

ललिता देवी राज कुमारी चंदर काली शुक्री देवी नारदा देवी माया देवी

मंशा देवी चंपा देवी निशा देवी रीना देवी कमला देवी

22.समूह फोटो:

स्वयं सहायता समूह का नाम: माँ दुर्गा **वीएफडीएस:**जनवान रैंज: उरला वन मंडल: जोगिंदर नगर।

Resolution-cum-Group-consensus Form

It is decided in the General house meeting of the group MAA DURGA held on 27-06-2022 at Janwan that our group will undertake the bag making as Livelihood Income Generation Activity under the Project for Implementation of Himachal Pradesh Forest Ecosystem management and Livelihood (JICA assisted).

Signature Of group President, secretary Chand Rajkumari

Signature of President VFDS

प्रधान Ram. Singh.
वन अधिकार समिति
ग्रा. पं. गुम्मा, विकास खण्ड द्रंग
जिला मण्डी (हि.प्र.)

Signature Of group

1 Chand
2 Rajkumari
3 Reena Devi
4 Lalita Devi
5 Champa Devi
6 माया देवी
7 कमला देवी
8 शुकरी देवी
9 नारदा देवी
10 Nisha Devi
11 Manza Devi

Business Plan Approval by VFDS and DMU.

MAA DURGA Group will undertake the bag making as Livelihood Income Generation Activity under the Project for Implementation of Himachal Pradesh Forest Ecosystem management and Livelihood (JICA assisted).In this regard business Plan of Amount Rs. 280950 has been submitted by the group on 27-06-2022 and the Business Plan has been approved by VFDS Janwan.

Business Plan is submitted to DMU through FTU for further action please.

Thank You.

Signature Of group President secretary

प्रधान Chand सचिव Rajkumari
मां दुर्गा स्वयं सहायता समूह
गांव ...
तह. जो. नगर, ...

Signature of President VFDS

प्रधान Ram. Singh. वन अधिकार समिति JANWAN.
ग्रा. पं. गुम्मा, विकास खण्ड द्रंग
जिला मण्डी (हि.प्र)

Signature Of group

1 Chand
2 Rajkumari
3 Reena Devi
4 Lalita Devi
5 Champa Devi
6 माया देवी
7 कमला देवी
8 शुकरी देवी
9 शारदा देवी
10 Nisha Devi
11 Mansa Devi

Approved

DMU cum DFO Joginder Nagar

D.M.U.-Cum-
Divisional Forest Officer
Joginder Nagar